हाईकोर्ट ने केंद्र शासन सहित अन्य से मांगा जवाब

नवोदय स्कूल के प्रवेश में ईडब्ल्यूएस को स्थान क्यों नहीं दे रहे

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने जवाहर नवोदय स्कूल के प्रवेश में ईडब्ल्यूएस को स्थान न दिए जाने के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने केंद्र शासन व जवाहर नवोदय विद्यालय समित सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। याचिकाकर्ता नाबालिग छात्रा नव्या तिवारी की ओर से अभिभावक अधिवक्ता धीरज तिवारी ने याचिका दायर की है। उनकी ओर से अधिवक्ता विकास मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि नवोदय विद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण और वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। लिहाजा, ईडब्ल्यूएस वर्ग को बाहर रखना नीति के उद्देश्य के विपरीत है। जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ग्रामीण छात्रों, बालिकाओं और दिव्यांग छात्रों के लिए विस्तृत आरक्षण व्यवस्था लागू है। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए कोई भी आरक्षण या विशेष प्रविधान नहीं किया गया है। इससे इस वर्ग के छात्र पूरी तरह से बाहर हो जाते हैं। देश में वर्तमान में लगभग 650 से अधिक नवोदय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें करीब 2.9 लाख छात्र अध्ययनरत हैं। याचिकाकर्ता की पुत्री छठवीं कक्षा में प्रवेश चाहती है, लेकिन ईडब्ल्यूएस को आरक्षण न मिलने के कारण वंचित है।

प्रेम संबंध पर हत्या करने वालों को आजीवन कारावास

जबलपुर । जिला अदालत ने प्रेम प्रसंग के चलते हत्या करने के आरोपी जबलपुर निवासी गुड्डल उर्फ रूपलाल चौधरी व लक्खु उर्फ सुनील चौधरी का दोष सिद्ध पाया। न्यायाधीश सुनील कुमार मालवीय की कोर्ट ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही ढ़ाई-ढ़ाई हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक उमा चौधरी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 22 जनवरी, 2024 को रोहन चौधरी की हत्या हो गई थी। हनुमानताल पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया था। पतासाजी में तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने मृतक के एक युवती के साथ भाग जाने से नाराज होकर हमला किया था। आरोपी मौके की तलाश में थे। जैसे ही रोहन पकड़ में आया, उस पर धारदार चाकू से हमला बोल दिया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी जान चली गई।

हाईकोर्ट में नियुक्ति का कानूनी अधिकार साबित नहीं कर सके याचिकाकर्ता

रेलवे द्वारा जमीन अधिग्रहण पर नौकरी को लेकर दायर याचिका खारिज

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की संयुक्तपीठ ने रेलवे की ललितपुर-सिंगरौली (खजुराहो) रेल लाइन परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण के बदले नौकरी की मांग करने वाले 6 याचिकाकर्ताओं को राहत देने से इंकार कर दिया है। अपने आदेश में न्यायालय ने कहा कि जब आवेदकों के पास आवेदन के समय आवश्यक शैक्षणिक योग्यता ही नहीं थी, तब वे नियुक्ति का दावा नहीं कर सकते। इस मत के साथ न्यायालय ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (केट) की जबलपुर बेंच के आदेश को सही ठहराते हुए याचिकाकर्ताओं की याचिकाएं खारिज कर दीं।

यह मामला राकेश कुशवाहा व अन्य से जुड़ा है जिनकी जमीन रेलवे परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई थी। जमीन अधिग्रहण के बाद उन्होंने भारतीय रेलवे में नियुक्ति देने की मांग करते हुए पहले केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण का रुख किया था। जहां अधिकरण ने 1 मई 2025 को पारित अपने आदेश में उनके मूल आवेदनों को खारिज कर दिया था। इसी आदेश को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय की शरण ली थी। याचिका में कहा गया था कि रेलवे की नीति के तहत जिन लोगों की जमीन रेलवे परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाती है, उन्हें रोजगार सहायता के रूप में रेलवे में नौकरी देने का प्रावधान है। उन्होंने न्यायालय को बताया कि इसी योजना के तहत कई अन्य प्रभावित लोगों को पहले ही नियुक्ति मिल चुकी है। इसी आधार पर याचिकाकर्ताओं ने पहले अधिकरण और बाद में उच्च न्यायालय से याचिका के माध्यम से अनुरोध किया था कि रेलवे अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि वे उनकी नियुक्ति के दावे पर विचार करें और उन्हें रेलवे में नौकरी प्रदान करें।

मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन इसलिए खारिज किए गए क्योंकि आवेदन करते समय उनके पास न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता यानी 10वीं कक्षा उत्तीर्ण नहीं थी। रेलवे की संबंधित नीति और 14 अक्टूबर 2016 की अधिसूचना के अनुसार, ग्रुप 'डी' पदों पर नियुक्ति के लिए कम से कम 10वीं पास, आईटीआई या समकक्ष योग्यता आवश्यक थी। लेकिन रिकॉर्ड के अनुसार याचिकाकर्ताओं ने अपने प्रारंभिक आवेदन में अपनी शैक्षणिक योग्यता आठवीं कक्षा पास बताई थी। इस कारण वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा नहीं करते थे और उनके आवेदन खारिज कर दिए गए। याचिकाकर्ताओं की ओर से न्यायालय में यह दलील दी गई कि उन्होंने बाद में 10वीं की परीक्षा पास कर ली और उसके बाद अपनी मार्कशीट के साथ दोबारा आवेदन प्रस्तुत किया। उनका कहना था कि रेलवे अधिकारियों को इस बाद के विकास को ध्यान में रखते हुए उनके दावे पर विचार करना चाहिए था। संयुक्तपीठ ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि पात्रता का आंकलन आवेदन के समय की स्थिति के आधार पर किया जाता है, न कि बाद में प्राप्त की गई योग्यता के आधार पर। न्यायालय ने यह भी कहा कि जब याचिकाकर्ताओं के पहले आवेदन को शैक्षणिक योग्यता की कमी के आधार पर खारिज किया गया था, तब उन्होंने उस आदेश को समय रहते चुनौती नहीं दी। नतीजतन वह आदेश अंतिम हो गया। बाद में जब उन्होंने नई योग्यता के आधार पर फिर से आवेदन किया और वह भी खारिज हो गया, तब उन्होंने इस मुद्दे को न्यायालय में उठाया लिहाजा इतनी देर से उठाया गया यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि उनके आवेदन को खारिज करने की प्रक्रिया में भूमि अधिग्रहण अधिकारी और रेलवे के उप मुख्य अभियंता की रिपोर्ट पर आधारित निर्णय लिया गया, जो उनके अनुसार सक्षम प्राधिकारी नहीं थे। उच्च न्यायालय ने इस दलील को भी इस उमत के साथ खारिज कर दिया कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखे गए थे और संबंधित नीति के अनुसार विचार के बाद ही उन्हें खारिज किया गया था। सनिवाई के दौरान ही याचिकाकर्ताओं की ओर से एक अन्य मामले "चरण प्रकाश कुशवाहा बनाम भारत संघ" में अधिकरण द्वारा दिए गए आदेश का हवाला दिया गया था। इस पर संयुक्तपीठ ने कहा कि वह आदेश इस मामले पर बाध्यकारी नहीं है और उस निर्णय में नीति के प्रावधानों की सही व्याख्या नहीं की गई थी। इसलिए उसे इस मामले में लागू नहीं किया जा सकता। सभी तर्कों को सुनने के बाद न्यायालय ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के अधिकार का उपयोग करते हुए अदालत को केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश में कोई अवैधता, त्रुटि या अधिकार क्षेत्र से जुड़ी गलती दिखाई नहीं देती। अधिकरण ने उपलब्ध तथ्यों, नियमों और रेलवे की नीति के आधार पर ही अपना निर्णय दिया है। इन सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद संयुक्तपीठ ने निष्कर्ष निकाला कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में असफल रहे हैं कि उन्हें रेलवे में नियुक्ति पाने का कोई कानूनी अधिकार प्राप्त है। अपने आदेश में न्यायालय ने कहा कि जब आवेदन के समय वे आवश्यक पात्रता शर्तों को पूरा ही नहीं करते थे और बाद में संबंधित नीति भी वापस ले ली गई, तो नियुक्ति का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस मत के साथ उच्च न्यायालय ने दायर याचिका खारिज कर दी।

कार्रवाई नहीं होने से भड़के ग्रामीण

श्मशान मार्ग विवाद : निजी जमीन का रास्ता किया बंद

जबलपुर। जबलपुर जिले की पाटन तहसील के अंतर्गत आने वाली गुरु पिपरिया ग्राम पंचायत में श्मशान भूमि और रास्ते को लेकर पिछले दो महीनों से विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि सीमांकन के बाद भी कब्जाधारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों के अनुसार मामले की शिकायत कलेक्टर की जनसुनवाई में की गई थी। इसके बाद 10 फरवरी को प्रशासनिक टीम द्वारा श्मशान भूमि का सीमांकन किया गया। सीमांकन में श्मशान तक जाने के लिए सरकारी भूमि चिन्हित की गई थी, लेकिन करीब एक महीने बीत जाने के बावजूद कब्जाधारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने कई बार तहसील कार्यालय के चक्कर लगाए, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। इसी बीच गांव के निवासी पहाड़ी नामक व्यक्ति का निधन हो गया। अंतिम संस्कार के लिए श्मशान तक रास्ते की समस्या को लेकर 7-8 ग्रामीण अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) से मिलने पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि एसडीएम ने कहा, "गांव में तो सभी लोग कहीं न कहीं कब्जा किए हुए हैं, आप लोग भी कब्जा किए होंगे।" इस बयान से ग्रामीणों में नाराजगी फैली और उन्होंने इसे बिना प्रमाण लगाया गया आरोप बताया। सीमांकन के दौरान बनाए गए पंचनामा में विवाद और अभद्र व्यवहार करने वालों के नाम भी दर्ज हैं। लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। विवाद बढ़ने के बाद गांव के कुछ लोगों ने, जो वर्षों से श्मशान जाने के लिए अपनी निजी भूमि का हिस्सा खुला छोड़ रखे थे, आक्रोश में आकर उस रास्ते को भी बंद कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब श्मशान की सरकारी भूमि से कब्जा नहीं हटाया जा रहा है तो वे अपनी निजी भूमि क्यों दें। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही श्मशान भूमि से कब्जा हटाने और स्थायी रास्ते की व्यवस्था नहीं की गई तो वे फिर से कलेक्टर के समक्ष यह मामला उठाएंगे।

अपर कलेक्टर ने की राजस्व वसूली की समीक्षा

बकायदारों को अंतिम सूचना पत्र जारी करने के दिये निर्देश

पट्टों का नवीनीकरण नहीं कराने वालों पर करें नियमानुसार कार्यवाही

जबलपुर। जिले में पदस्थ राजस्व निरीक्षकों को अपर कलेक्टर अभिषेक गहलोत ने राजस्व वसूली में गति लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बड़े बकायादारों राजस्व वसूली में सख्ती बरतने के निर्देश भी राजस्व निरीक्षकों को दिये। श्री गहलोत आज मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में राजस्व वसूली की समीक्षा के लिये आयोजित को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्व निरीक्षकों को बकायदारों को अंतिम सूचना पत्र जारी कर उनसे राजस्व की बकाया राशि का शासन के पक्ष में भुगतान सुनिश्चित कराने तथा तय समय के भीतर राशि जमा नहीं करने पर नियमानुसार कार्यवाही करने कहा। अपर कलेक्टर ने ऐसे बड़े बकायादारों से वसूली में सख्ती बरतने के निर्देश राजस्व निरीक्षकों को दिये हैं, जिन्होंने अवधि समाप्त होने के बाद भी पट्टों का नवीनीकरण नहीं कराया है। बैठक में राजस्व निरीक्षकों को गोरखपुर, आधारताल और राँझी तहसील के बड़े बकायादारों की सूची भी सौंपी गई और उन्हें अंतिम नोटिस जारी कर डायवर्सन राशि का भुगतान सुनिश्चित कराने कहा गया। बड़े बकायादारों की सूची में गोरखपुर तहसील के 46, आधारताल तहसील के 30 तथा राँझी तहसील के 5 बकायेदार शामिल हैं।

एक सटोरिया पांच जुआड़ी गिरफ्तार

जबलपुर। क्राईम ब्रांच और बेलबाग पुलिस ने भानतलैया में सट्टा पट्टी लिख रहे एक सटोरिए तथा पांच जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उसके पास से नगद 6 हजार 300 रुपए जब्त किए है।बेलबाग थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर ने बताया कि गत दिवस क्राईमब्रांच और बेलबाग की संयुक्त पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर भानतलैया बप्पा स्टील के पीछे सट्टा पट्टी लिख रहे भानतलैया सिंधी कैंप हनुमानताल निवासी 58 वर्षीय दिलीप चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर खटीक मोहल्ला निवासी शेखर सोनकर के कहने पर सट्टा पट्टी लिखना जिसके एवज में 300 रूपये दिहाड़ी देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी दिलीप चौधरी के कब्जे से सट्टा पट्टी स्लिप बुक तथा नगदी 5 हजार रूपये जब्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 4 (क) सट्टा एक्ट तथा 49 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई। इसी प्रकार थाना एवं क्राईम ब्रांच की सयुंक्त टीम द्वारा भानतलैया खटीक मोहल्ला पहाड़ी में जुआ मन्ना खेल रहे राहुल सोनकर , शिवम सिंह ठाकुर, अभिषेक सोनकर, संजय चौधरी और अज्जू चौधरी को गिरफ्तार कर उसके पास से ताश के 52 पत्ते तथा नगदी 1 हजार 300 रूपये जप्त करते हुये जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

जबलपुर का बजट 2026-27 पारितः महापौर ने समग्र विकास और सुन्दर शहर का विजन रखा

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' की अध्यक्षता में आयोजित मेयर इन काउंसिल (एम.आई.सी.) बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुमानित बजट पारित किया गया।

महापौर ने बताया कि यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में अधिक व्यवस्थित और व्यापक है और शहर के समग्र विकास, सुन्दरता तथा नागरिक सुविधाओं में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। महापौर ने कहा कि बजट से शहर आत्मनिर्भर बनेगा और शहर का स्वरूप महानगर के स्तर का अनुभव देगा। राइट टाउन में अधिग्रहित 25,000 वर्गफुट क्षेत्र पर बहुमंजिला व्यावसायिक मल्टी-स्टोरी कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा, जिससे निगम की आय में वृद्धि होगी। साथ ही, नागरिकों को आवारा श्वानों से राहत देने, 100 प्रतिशत बधियाकरण पर विशेष फोकस, डेली नीड्स की दुकानें खोलना और स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करना इस बजट की प्राथमिकताओं में शामिल है। नर्मदा प्रसादम मार्केट में स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से महिलाओं को रोजगार देने के लिए 'दीदी कैफे' और पालनाघर की शुरूआत भी शीघ्र होगी। **साथ ही, शहर में नामकरण और मार्गों के आधिकारिक नामों के प्रस्ताव एम.आई.सी. से पारित किए गए हैं:** शताब्दीपुरम चौक का नाम आचार्य कृष्णकांत चतुर्वेदी चौक, छोटा फुहारा से सूजीपुरा मार्ग का नाम श्री चिंतामन साहू जी मार्ग, पी.के. कार्नर से आस्था लैब तक मार्ग का नाम संत तारण-तरण मार्ग, गढ़ा बाजार मुख्य मार्ग से श्रीरामलीला मैदान तक का मार्ग श्रीरामलीला मार्ग। बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त अरविंद शाह, विद्यानंद बाजपेयी, मनोज श्रीवास्तव और अन्य विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे। महापौर ने आश्वासन दिया कि बजट से प्रस्तावित और प्रचलित परियोजनाओं को तीव्र गति मिलेगी और शहर को आधुनिक, सुव्यवस्थित तथा सुन्दर महानगर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

स्वच्छता अभियानः महापौर, कलेक्टर और निगमायुक्त मैदान में उतरे

जबलपुर। शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार सुबह 7 बजे महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संयुक्त रूप से शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत मालवीय चौक से हुई और इसके बाद तीन पत्ती, गोल बाजार और रानीताल क्षेत्रों का दौरा किया गया। अधिकारियों ने शहर के कचरा प्रबंधन संयंत्रों का भी अवलोकन किया, जिसमें कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में कचरे से बिजली बनाने की प्रक्रिया और कंपोस्टिंग यूनिट्स (एबीसी, एमआरएम सहित अन्य) की गुणवत्ता की जांच शामिल थी। महापौर जगत बहादुर सिंह ने स्पष्ट किया कि उद्देश्य केवल सफाई नहीं बल्कि शहर की रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाना है। उन्होंने कहा कि जन सहयोग और प्रशासनिक तत्परता के समन्वय से जबलपुर को देश का नंबर 1 स्वच्छ शहर बनाया जाएगा। इस अवसर पर अधिकारियों ने शहरवासियों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी कर सहयोग प्रदान करें। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट घेरने के पहले वॉटर केनन चलाई, 20 गिरफ्तार

प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई को पुलिस ने खदेड़ा

हरिभूमि जबलपुर।

किराए के भवनों में अवैध रुप से स्कूल संचालित किए जाने और छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने मंगलवार को जबलपुर में बड़ा प्रदर्शन किया। गांधी टाउन हॉल से कलेक्ट्रेट रैली घेराव करने जा रही थी। ओमती चौराहे पर पुलिस ने बैरीकेटिंग कर रखी थी। बैरीकैट नाकने पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई, इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने वॉटर केनन के साथ लाठियों का बल प्रयोग भी किया।

बताया गया है कि दोपहर करीब 2 बजे बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता टाउन हॉल से कलेक्ट्रेट की ओर प्रदर्शन करते हुए निकले. घंटाघर के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता बैरिकेड पार कर आगे बढऩे लगे. इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें खदेड़ा और स्थिति नियंत्रित की. इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों को हल्की चोटें भी आईं. वहीं भगदड़ में कई कार्यकर्ताओं के जूते-चप्पल सड़क पर छूट गए.

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने आरोप लगाया कि जिले में कई स्थानों पर किराए की इमारतों में अवैध रूप से स्कूल संचालित किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने ऐसे स्कूलों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की मांग की। साथ ही लंबे समय से लंबित छात्रसंघ चुनाव भी जल्द कराने की मांग उठाई। मामले में सीएसपी सोनू कुर्मी ने बताया कि कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट जाने का प्रयास कर रहे थे। प्रशासन की ओर से एसडीएम को मौके पर बुलाकर बातचीत की कोशिश की गई, लेकिन जब कार्यकर्ता जबरन आगे बढऩे लगे तो पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 20 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

अवैध भंडारण एवं व्यावसायिक इस्तेमाल करते पाये जाने पर 22 रसोई गैस सिलेंडर जब्त

जबलपुर। रसोई गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण एवं दुरूपयोग को रोकने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज मंगलवार को होटल एवं रेस्टोरेंट का आकस्मिक निरीक्षण कर 22 गैस सिलेंडर जब्त किये हैं। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की टीमों ने मंगलवार को पाटन में जैन होटल से तीन घरेलू रसोई सिलेंडरों को व्यावसायिक इस्तेमाल पाये जाने पर जब्त किया है। इसी प्रकार रांझी तहसील के अंतर्गत कार्यपालिक दंडाधिकारी मौसमी केवट के नेतृत्व में की गई कार्यवाही में लकी किचिन फ्लेवर से अवैध रूप से भंडारित आठ घरेलू एवं पांच कमर्शियल गैस सिलेंडर तथा इंदिरा मार्केट स्थित श्री कृष्ण वेज थाली रेस्टोरेंट से छह घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों को व्यावसायिक इस्तेमाल करते पाये जाने पर जब्त किया गया हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 30 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू

- जिला बार एसोसिएशन, जबलपुर यह कदम उठाने वाला प्रदेश का पहला बार एसोसिएशन बना, संविधान संशोधन किया गया पारित
- सामान्य सभा में यह भी निर्णय लिया-आपराधिक मामले में सजा पर बार इलेक्शन में नहीं मिलेगा वोटिंग का अधिकार
- शुरुआती दो वर्ष प्रोविजनल रहेगी बार की सदस्यता, सालाना पांच आदेश-पत्रक पेश करने पर स्थायी करेंगे सदस्यता

जबलपुर। जिला बार एसोसिएशन, जबलपुर , सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 30 प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रावधान लागू करने वाला मध्य प्रदेश का पहला बार एसोसिएशन बन गया है। यह जानकारी जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनीष मिश्रा व सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी ने दी।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता सुधीर नायक की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आहूत हुई, जिसमें संविधान संशोधन सर्वसम्मति से पारित कर लिया गया। संशोधन का वाचन जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा ने किया। जिसके बाद निर्णय लिया गया कि किसी भी आपराधिक प्रकरण में पांच वर्ष या उससे अधिक सजा वाले वकीलों को जिला बार चुनाव में वोटिंग का अधिकार नहीं मिलेगा। यही नहीं अब नवागत वकीलों को जिला बार की प्रारंभिक दो वर्ष की सदस्यता स्थायी के स्थान पर अस्थायी यानि प्रोविजनल मिलेगी। जब वे सालाना पांच कोर्ट आदेश-पत्रक सहित आवेदन प्रस्तुत करेंगे, तभी परीक्षण करके जिला बार की सदस्यता को स्थायी किया जाएगा। इससे पूर्व चुनाव में प्रत्याशी बनने, मतदान करने और सामान्य सभा में शामिल होने की अधिकारिता नहीं मिलेगी। जिला बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, महिला उपाध्यक्ष ज्योति राय, सह सचिव मनोज शिवहरे, कोषाध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, पुस्तकालय सचिव शैलेंद्र यादव ने बताया कि जिला बार का कोषाध्यक्ष पद महिला अधिवक्ता के लिए आरक्षित कर दिया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी का नवीन पद सृजित हुआ है, जिसे कार्यकारिणी मनोनीत करेगी। इसके लिए 10 वर्ष की वकालत अनिवार्य है। जिला बार कार्यकारिणी सदस्य रवींद्र दत्त, प्रशांत नायक, अनुभव शर्मा सीपू, अर्जुन साहू, दुर्गेश मनाना, मनोज तिवारी ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष अशोक गुप्ता व जीएस ठाकुर सहित अन्य की उपस्थिति में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके तहत जिला बार चुनाव में अब अदालत परिसर में पोस्टर चस्पा नहीं किए जा सकेंगे। इंटरनेट मीडिया व पोस्टकार्ड साइज के कार्ड या पेम्पलेट से प्रचार किया जा सकेगा।

1 अप्रैल से शुरू होगा नया सत्र, घर-घर दस्तक देंगे वार्डन

शिक्षक को वार्डन के रूप में किया जाएगा नियुक्त

जबलपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने और शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने इस बार खास तैयारी की है। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सत्र 2026-27 की कक्षाएं एक अप्रैल से प्रारंभ होंगी। नए सत्र के शुरू होते ही प्रवेशोत्सव भी मनाया जाएगा और विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन कराया जाएगा। डीपीआई के निर्देशों के तहत प्रत्येक कक्षा में एक शिक्षक को वार्डन के रूप में नियुक्त किया जाएगा। शिक्षक वार्डन की जिम्मेदारी होगी कि वे विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर नजर रखें और अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क करें। नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक घर-घर जाकर संपर्क अभियान चलाएंगे। इस दौरान वे अभिभावकों को स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, गणवेश, छात्रवृत्ति और अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी देंगे।

सभी कक्षाओं की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद उनके परिणाम (आठवीं, नौवीं व 11वीं) 23 मार्च को घोषित किए जाएंगे। इन विद्यार्थियों को परिणाम के आधार पर अगली कक्षा में 24 मार्च से 31 मार्च तक प्रवेश दिया जाएगा। दो अप्रैल को शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की बैठक आयोजित कर प्रवेशोत्सव में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। बता दें कि प्रदेश में बढ़ते ड्रॉप-आउट को देखते हुए सरकार और शिक्षा विभाग चिंतित है। इस बारे में शिक्षकों का कहना है कि आरटीई नियम का फायदा उठाते हुए अभिभावक सरकारी स्कूलों से बच्चे को निकालकर निजी शालाओं में भर्ती करा रहे हैं। वहीं नए सत्र की तैयारियों को लेकर स्कूलों को भी कई निर्देश दिए गए हैं। एक अप्रैल से पहले सभी स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों का वितरण पूरा कर लिया जाएगा, ताकि सत्र की शुरुआत से ही पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो सके. इसके अलावा स्कूल भवनों की रंगाई-पुताई और साफ-सफाई का काम 30 मार्च तक पूरा करने को कहा गया है।

ड्रॉप-आउट रोकने खास रणनीति

इस बार स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ाने और स्कूलों में ड्रॉप-आउट रोकने के लिए खास रणनीति बनायी है। प्रत्येक कक्षा में एक शिक्षक को वार्डन की जिम्मेदारी दी जाएगी। यह शिक्षक विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर नजर रखेगा। लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के साथ वह संपर्क करेंगे। इस दौरान वार्डन बने शिक्षक अभिभावकों से सीधे मिलकर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए आग्रह करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार डीपीआई ने नए दिशा-निर्देश जारी किए है। दरअसल बीते शैक्षणिक सत्र में 3.43 लाख बच्चों ने अपनी पढ़ाई बीच में रोक दी दी थी। इतनी संख्या में बच्चों के स्कूल छोडऩे से स्कूल शिक्षा विभाग चिंतित है। पिछले वर्ष प्रदेश में स्कूल छोडऩे वाले करीब 3.43 लाख बच्चों में 2.66 लाख बच्चे सरकारी स्कूलों के थे थे। 52 जिलों में सबसे ज्यादा खरगोन जिले से 20 हजार से अधिक बच्चे ड्रॉप-आउट हुए, जिन्होंने कहीं भी दोबारा प्रवेश नहीं लिया।

आयुक्त डीपीआई शिल्पा गुप्ता का कहना है कि सरकारी शालाओं में इस बार नामांकन बढ़ाने खास रणनीति बनाई है। इसके लिए शिक्षकों को घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए है। शिक्षक अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी देंगे। इनमें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, स्कॉलरशिप सहित अन्य शासकीय योजनाएं शामिल है। विभाग का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कर स्कूलों में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई जाएं।

7 मई से होगी द्वितीय बोर्ड परीक्षाएं

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल माशिमं ने द्वितीय बोर्ड परीक्षाओं की तिथि घोषित कर दी है। कक्षा 10 की द्वितीय बोर्ड परीक्षाएं 7 से 19 मई और 12 वीं की परीक्षाएं 7 से 25 मई तक चलेंगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों परीक्षाओं का समय सुबह 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

कॉलेजों को एक हजार रुपए में मिलेगी कोर्स शुरू करने की अनुमति

- छात्र डिग्री के साथ कर सकेंगे डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स

जबलपुर। उच्च शिक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है, जिसके तहत कॉलेजों में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की प्रक्रिया अब काफी सस्ती हो जाएगी। पहले इन कोर्सों की स्वीकृति लेने के लिए कॉलेजों को विश्वविद्यालयों को हजारों से लेकर लाखों रुपये तक शुल्क देना पड़ता था, लेकिन अब यह शुल्क घटाकर मात्र एक हजार रुपए कर दिया गया है। इस बदलाव से कॉलेजों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी और छात्रों पर भी फीस का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। दरअसल, पहले जब कोई कॉलेज नया यूजी या पीजी स्तर का डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करना चाहता था, तो उसे विश्वविद्यालय से अनुमति लेने के लिए भारी शुल्क देना पड़ता था। कई मामलों में यह राशि 25 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपए से अधिक तक पहुंच जाती थी। कॉलेज प्रबंधन इस खर्च को पूरा करने के लिए कोर्स की फीस बढ़ाकर छात्रों से वसूल करता था। इस वजह से ऐसे रोजगारोन्मुखी कोर्स पढऩा कई छात्रों के लिए महंगा साबित होता था। अब राज्य के प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने इस व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए स्वीकृति शुल्क को लगभग पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

पहले से 99 फीसदी घटाया गया शुल्क

नई व्यवस्था के तहत कॉलेजों को केवल एक हजार रुपए का भुगतान करके डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की अनुमति मिल सकेगी। इसका मतलब है कि पहले की तुलना में लगभग 99 प्रतिशत तक शुल्क में कमी की गई है। यह निर्णय विभाग की स्थायी समिति की बैठक में लिया गया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति भी शामिल थे। इस फैसले के पीछे मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की प्रक्रिया को आसान बनाना और विद्यार्थियों को अतिरिक्त कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है।

छात्रों को मिलेंगे रोजगार के बेहतर विकल्प

डिग्री कोर्स के साथ अगर छात्र कोई डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स भी करते हैं, तो उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। इससे पढ़ाई के दौरान ही व्यावहारिक कौशल विकसित करने का मौका मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि फीस कम होने के बाद कॉलेज अधिक संख्या में ऐसे कोर्स शुरू करने के लिए आगे आएंगे।

नगर निगम ने बकायादारों के खिलाफ चलाया सख्त अभियान, 4 संभागों में हुई कुर्की और जल कटौती

जबलपुर। नगर निगम के आदेशानुसार निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशन में शहर के विभिन्न हिस्सों में बकायादारों के खिलाफ अभियान चलाया गया। संभाग क्रमांक 02 (कछपुरा), 07 (अधारताल), 08 (भानतलैया) और 14 (विजय नगर) में संपत्ति कुर्की और जल कनेक्शन कटौती के माध्यम से बकाया राशि वसूल की गई। संभागीय अधिकारियों के अनुसार, कमला नेहरू नगर वार्ड में अरुण कुमार शुक्ला पर 87,200/- रुपये का बकाया होने पर संपत्ति अधिग्रहण की कार्रवाई हुई। अधारताल में महर्षि महेश योगी वाउर् की संपत्ति कुर्क करने के नोटिस चस्पा किए गए और जल कर न जमा करने पर नल कटौती की गई। भानतलैया के हनुमानताल वार्ड में कुल छह बड़े बकायादारों पर कुर्की की कार्रवाई हुई, जिसमें बकाया राशि 72,015 से 1,93,960 रुपये तक थी। विजय नगर के वार्ड 35 ईदन दास मालगानी में 71,554 रुपये के बकाया पर भी कुर्की की गई। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कहा कि करों की समय पर वसूली से शहर की सड़कें, बिजली और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार संभव है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे बकाया करों का भुगतान तत्काल करें ताकि अप्रिय कार्रवाई से बचा जा सके और शहर के विकास में योगदान कर सकें। इस अभियान में राजस्व निरीक्षक, सहायक निरीक्षक, वार्ड कर संग्रहिता और अन्य टीम सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

नवनियुक्त स्मार्ट सिटी सीईओ अरविंद शाह ने संभाला कार्यभार

जबलपुर। नगर निगम के अपर आयुक्त और 2021 बैच के आईएएस अधिकारी अरविंद शाह ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात चर्चा करते हुए श्री शाह ने शासन द्वारा दी गई इस नई जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के चेयर मैन राघवेंद्र सिंह एवं कार्यपालिक निदेशक राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य करेंगे। नवनियुक्त सीईओ ने कार्यभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं, जिनमें मुख्य रूप से स्मार्ट सिटी के अंतर्गत चल रहे प्रचलित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर उन्हें समय सीमा में पूर्ण करना। उन्होंने कहा कि आगामी प्रस्तावित कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए त्वरित निर्णय लेना।

2 सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धा सहित 4 घायल

मझौली और गोरखपुर क्षेत्र में हादसे

जबलपुर।

मझौली और गोरखपुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के दो मामलें प्रकाश में आए हैं। इस घटना में तीन युवक व एक वृद्ध महिला घायल हो गई हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिलखरवा थाना कटंगी निवासी 29 वर्षीय शेखर पटेल गत दिवस अपने पिता मनोज पटेल के साथ मझौली काम से आया था रात लगभग 8.30 बजे लडोई तिराहा के पास पिता मनोज पटैल के साथ बस के इंतजार में खड़ा था वहां पर दो अन्य व्यक्ति भी खड़े थे जिन्होंने बातचीत के दौरान अपना नाम पवन विश्वकर्मा निवासी सूरतलाई माढ़ोताल एवं विनय विश्वकर्मा निवासी जैन मंदिर के पास गढ़ा बताये थे। बस का इंतजार करते समय जबलपुर तरफ से आ रही सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी 04 सीएफ 3601 के चालक ने उसके पिता मनोज पटैल, पवन विश्वकर्मा, विनय विश्वकर्मा को टक्कर मार दी, जिससे तीनों को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आ गयीं कार चालक एक्सीडेंट करने के बाद भाग गया। शेखर ने तीनों घायलों को एम्बुलेंस से उपचार हेतु जबलपुर भिजवाया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125ए बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

इसी तरह गोरखपुर में इंद्रानगर गली नंबर 2 गोरखपुर निवासी 37 वर्षीय आदिशंकर अस्पताल के सीएओ रोहित लोधी मंगलवार की सुबह लगभग 7.30 बजे नगर निगम जोन रामपुर कार्यालय के सामने अपनी मां कौशल्या लोधी के साथ मार्निंग वॉक से रोड पर कर रहा था तभी एमपीईबी की तरफ से बुलेरो क्रमांक एमपी 51 टी 0960 के चालक ने उसकी मॉ को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मॉ को कमर एवं सिर में चोटे आ गयी है। बुलेरो चालक ने उसकी मॉ को उपचार हेतु आदिशंकर अस्पताल लेकर आया जहां मॉ को उपचार हेतु भर्ती कराया हैं। बुलेरो चालक ने अपना नाम सौरभ ठाकुर बताया और अपना आधारकार्ड व्हाटसएपर भेजकर बाद में डिलीट कर दिया। वाहन का मालिक गोपाल सिंह आया और इलाज का आश्वासन देकर इलाज नहीं कराया। उसके बाद बुलेरो मालिक व चालक बुलेरो लेकर चले गये। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125ए बीएनएस तथा 184 मोटरयान अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

जनसुनवाई में 105 आवेदन प्राप्त हुये

जबलपुर। कलेक्टर कार्यालय में आज मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये।

साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 105 आवेदन प्राप्त हुये। इनमें दोबारा आये 17 आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर आवेदन अतिक्रमण, अवैध कब्जा, अनुग्रह सहायता, पीएम सम्मान निधि, पेंशन, लड़ाई-झगड़ा, आर्थिक सहायता, नामांतरण आदि से संबंधित आवेदन थे। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जेएनकेविवि में समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में छात्रों ने बिखेरे रंग

11 महाविद्यालयों के छात्रों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जबलपुर में मंगलवार को महाविद्यालय स्तर पर समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 11 महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी जीवंत प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने आकर्षक और रंगीन लोक नृत्यों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता और अपनी कला कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। सभी महाविद्यालयों के छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में सुलेखा मिश्रा, इंद्र पाण्डेय और धीरेज श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का समापन उत्साह और उमंग के साथ हुआ।

अटल कार्यकर्ता सम्मान यात्रा में उज्जैन में वरिष्ठ कार्यकर्ता हरिकांत जोशी का सम्मान

स्वास्थ्य कारणों से बिस्तर पर बैठे वरिष्ठ कार्यकर्ता को पंडित अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिह्न भेंट

जबलपुर। अटल कार्यकर्ता सम्मान यात्रा के अंतिम दिन बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता हरिकांत जोशी का सम्मान किया गया। स्वास्थ्य कारणों से अस्वस्थ होने के चलते श्री जोशी बिस्तर पर ही थे, जहाँ उन्हें 'पंडित अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिह्न' भेंट किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने उनके लंबे संगठनात्मक योगदान को याद करते हुए उन्हें पार्टी के समर्पित और अनुभवी कार्यकर्ताओं में से एक बताया। भारतीय जनता पार्टी के प्रारंभिक दौर में मीडिया प्रभारी के दायित्व को 'संवाद एवं सम्पर्क प्रमुख' के रूप में जाना जाता था, जिसे श्री जोशी ने उज्जैन संभाग में निभाया। इस दौरान जबलपुर संभाग से जुड़े प्रतिनिधि भी उनके अनुभवों से परिचित रहे, जिससे दोनों के बीच पुराने संगठनात्मक संबंधों और संघर्षों की स्मृतियाँ साझा हुईं। भेंट के दौरान संगठनात्मक कार्यों, उपलब्धियों और संघर्षों पर चर्चा हुई, जिससे माहौल भावुक हो उठा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने ईश्वर से उनकी शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु जीवन की कामना की। यह सम्मान यात्रा न केवल वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान को मान्यता देने का माध्यम बन रही है, बल्कि पार्टी की गौरवशाली परंपराओं और मूल्यों को भी सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है।

चैतन्य महाप्रभु का जीवन पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। चैतन्य महाप्रभु के जीवन और संदेशों को मध्य प्रदेश के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग को लेकर संकीर्तन मंडलों ने ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम, भोपाल के अध्यक्ष डॉ. अल्केश चतुर्वेदी को महाकौशल महाविद्यालय में दिया गया। प्रतिनिधियों ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु ने लगभग 500 वर्ष पूर्व समाज में एकता और भक्ति का संदेश दिया था, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहाणी ने मांग का समर्थन करते हुए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में डॉ. सुधीर अग्रवाल, संतोष अग्रहरि, श्याम मनोहर पटेल, देवेंद्र नेमा, विनोद दीवान, देवव्रत सोनी और नरेश कहार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहर विकास की अवधारणा पर नगर सरकार का बजट आज होगा पेश

नपा अध्यक्ष संध्या करेंगी आय-व्यय लेखा प्रस्तुत

सिहोरा। नगर सरकार के कार्यकाल का यह तीसरा बजट आज दोपहर 2 बजे नगर पालिका के सभाकक्ष में प्रस्तुत किया जायेगा। नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे के कार्यकाल में पेश होने वाले बजट में दो दर्जन से अधिक एजेंडे को सम्मलित करने की बात सामने आई है । वहीं नगर पालिका अध्यक्ष इस बार बजट को विशेष सम्मलेन आयोजित कर पेश करेगी। बताया यह जा रहा कि इस बार का बजट पूर्व साल की तुलनात्मक दृष्टि से बेहतर आय का होगा दूसरी तरफ नगर सरकार नगरवासियों की अपेक्षा पर खरा उतरने लोक लुभावने विकास कार्यो को शामिल करने की उम्मीद भी है। जिसके लिए शहरवासियों के लिए सौगात का पिटारा ख़ोला जा सकता है।जबकि सूत्रों के मुताबिक इस बार भी लाभ का बजट सदन में अध्यक्ष रखेगी। बहरहाल अब देखना यह होगा कि नगर सरकार ने इस बार अपने बजट में जनता व शहर के किन किन सौगातों को बजट को रखा है।बताया जाता है की नगर पालिका का बजट कुल 86 करोड़ 54 लाख 8 हजार 500 रुपये का प्रस्तावित है।

प्रस्तावित बजट में नगर निकाय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों के वेतन भुगतान के साथ-साथ नगर क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं और निर्माण कार्यों के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा विद्युत बिल,रखरखाव तथा अन्य आकस्मिक व्ययों को भी बजट में शामिल किया गया है। नगर विकास को गति देने के उद्देश्य से सड़क, नाली,सफाई एवं आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। वहीं, वित्तीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए समस्त करों की वसूली से प्राप्त राशि में से 5 प्रतिशत को संचित निधि में जमा करने का प्रावधान भी बजट में रखा गया है।

निधन

श्रीमती कमला बाई नन्हेंट- कृष्णा नगर ग्रीन सिटी माढ़ोताल निवासी श्री दालचंद नन्हेंट की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई नन्हेंट (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शंकर लाल सराठे- नरसिंह नगर रांझी निवासी श्री शंकर लाल सराठे (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई ठाकुर- साठिया कुआं सराफा निवासी श्री घसीटे सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई ठाकुर (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कला देवी देवानी- स्टेट बैंक चौराहा विजयनगर निवासी श्री गिरधारी लाल देवानी की धर्मपत्नी श्रीमती कला देवी देवानी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री किशन लाल साहू- गली नं. 8, माढ़ोताल आईटीआई के पास निवासी श्री किशन ला्रल साहू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुखमंती शुक्ला- गली नं. 18, शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री मूलचंद शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती सुखमंती शुक्ला (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवींद्र कुमार चंदेल- दुर्गा नगर भटौली निवासी श्री रवींद्र कुमार चंदेल (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राकेश कुमार यादव- अमीरगंज कटनी निवासी श्री रामलाल यादव के पुत्र श्री राकेश कुमार यादव (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद वाजपेयी- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद वाजपेयी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कीर्ति गुप्ता- रामदास का बगीचा सदर निवासी श्री सुरेश गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती कीर्ति गुप्ता (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम लाल चौधरी- राजीव गांधी नगर आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री श्याम लाल चौधरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती संतो बाई कोरी- न्यू बिल्डिंग सिद्धबाबा रोड निवासी श्री अशोक कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती संतो बाई कोरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

तनाव प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

सिलौड़ी। शासकीय महाविद्यालय सिलौड़ी में तनाव प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यक्रम का प्रोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण प्रभारी प्राचार्य रतिराम अहिरवार के मार्गदर्शन एवं मानसिक स्वास्थ्य टास्क फोर्स के नोडल प्रभारी डॉ. हेमन्त कुमार चौरसिया के नेतृत्व में किया गया। छात्र छात्राओं एवं स्टाफ ने विभिन्न विषय विशेषज्ञों से मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि पढ़ाई, परीक्षा और कैरियर से जुड़े दबाव को कैसे सकारात्मक तरीके से संभाला जा सकता है। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 16 व 17 मार्च को भी महाविद्यालय में किया जाएगा, जिससे अधिक सेअधिक छात्र-छात्राएं इसका लाभले सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में पंकज मिश्रा एवं समस्त स्टाफ के साथ छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा दो स्थलों में शुरू कराया गया प्याऊ

कटनी। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन की जलप्रदाय शाखा द्वारा इस वर्ष गर्मी के प्रभाव को देखते हुए आम नागरिकों की सुविधा हेतु शहर के दो स्थानों सुभाष चौक एवं कचहरी चौराहे के समीप सार्वजनिक प्याऊ (पेयजल केंद्र) का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इन प्याऊ के माध्यम से राहगीरों, श्रमिकों एवं आमजन को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव ने बताया कि प्राप्त निर्देशानुसार शहर के प्रमुख बाजारों, मुड़वारा स्टेशन एवं बरही रोड तिराहा के पास भी एक-दो दिवस में प्याऊ स्थापित कर दिए जाएगें तथा नगर के अन्य सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। निगम प्रशासन द्वारा संबंधित कर्मचारियों को प्याऊ की नियमित साफ-सफाई एवं जल की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने कहा गया है कि पेयजल की आपूर्ति निरंतर बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा न हो। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन सुविधाओं का उपयोग करते हुए स्वच्छता बनाए रखें और जल का दुरुपयोग न करें।

युवक के खाते से पार हुए 2.96 लाख रुपये

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत माई नदी क्षेत्र निवासी एक युवक के साथ ठगी की घटना हुई। युवक के बैंक खाते से जालसाजों ने करीब 3 लाख रुपये की बड़ी राशि पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मोती बाग (माई नदी) निवासी आशीष गौतम 37 वर्ष ने पुलिस को बताया कि 4 मार्च 2026 को दोपहर करीब 12:39 बजे उनके बैंक खाते से अज्ञात तरीके से 2,96,000 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। जब प्रार्थी को खाते से इतनी बड़ी राशि कटने की जानकारी मिली तो उनके होश उड़ गए। बैंक और अन्य माध्यमों से स्थिति स्पष्ट न होने पर अंततः उन्होंने पुलिस की शरण ली। प्रार्थी ने 16 मार्च को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। पुलिस डिजिटल ट्रेल की जाँच कर रही है, जिसके माध्यम से यह राशि ट्रांसफर की गई है। पुलिस साइबर सेल की मदद से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह राशि किस खाते में गई है और ठगी के लिए किस तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

धरे गये तीन जुआरी

कटनी। उमरियापान पुलिस ने जुआ मन्ना खेल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दीपांशु गुप्ता 25 वर्ष, शिवा प्रसाद केवट 24 वर्ष और कपिल चौरसिया 40 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने 1850 रुपये और ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

वाहनों के बढ़ते दबाव एवं ई रिक्शा के रूट निर्धारित नहीं होने से जाम की समस्या

प्रशासनिक प्रयासों के बाद भी शहर में अराजक यातायात की नहीं बदली चाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये प्रशासनिक स्तर पर बीच बीच में कई तरह के प्रयोग भले ही किये जा रहे हो लेकिन सुगम आवागमन की राह आसान नहीं दिख रही। सेंट्रल पार्किंग व्यवस्था हटाने के बाद कुछ दिनों तक सतत मानीटरिंग के बाद जैसे ही अमले ने इस ओर ध्यान देना कम किया समस्या बढ़ने लगी है। शहर में वाहनों का दबाव दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। सड़क में अस्थायी अतिक्रमण एवं पार्किंग की वजह से परेशानी और बढ़ जाती है। शहर में आटो एवं ई रिक्शा की संख्या में बेतहाशा इजाफा होने के साथ ही रूट निर्धारण की योजना पर अमल नहीं हो पाने की वजह से जाम की समस्या बन रही है जिससे परेशानी हो रही है।

मुख्य मार्ग सहित तिराहे चौराहों जाम की स्थिति से वाहन चालकों की फजीहत हो रही है। नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों में से शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जहां समस्या न हो। फुटपाथी कारोबारियों और वाहनों की पार्किंग के चलते 20 से 40 फीट की सड़कें सिकुड़कर 10 फीट की ही रह जाती है। ई रिक्शा से लेकर आटो दिन भर शहर की सड़कों में धमाचौकड़ी मचाते हुए यातायात व्यवस्था को अवरूद्ध कर रहे है। शहर में आवागमन को सुगम बनाए रखने के लिए प्रयास सार्थक नहीं हो पा रहे हैं। कागजी प्लान तो बनाये जाते हैं लेकिन उनका पालन कराने में संजीदगी नहीं बरती जा रही।

मुख्य मार्ग में जाम की समस्या को कम करने के लिए सवारी आटो को कोतवाली तिराहे से मार्ग डायवर्ट कर संचालन की अनुमति प्रदान की गई है जबकि चारपहिया वाहनों पर यह आदेश बेअसर है। शहर के मुख्य तिराहे व चौराहे अस्थायी पार्किंग स्थल बन चुके हैं। सुभाष चौक हो या कचहरी तिराहा यहां कारों की पार्किंग लगी रहती है। मुख्य स्टेशन से सुभाष चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर ई रिक्शा वाहनों की दिन भर धमाचौकड़ी रहती हैं, जिसके कारण भी आवागमन प्रभावित होता है।ई रिक्शा चालकों के लिए रूट सिस्टम बनाया गया था लेकिन धरातल पर वह नजर नहीं आ रहा।

इस तरह बनाया था रूट सिस्टम

रूट क्रमांक-1 पर हरे रंग के ई-रिक्शा चलेंगे जो स्टेशन से सराय मोहल्ला के रास्ते ई रिक्शा ये रेलवे स्टेशन से सराय मोहल्ला, गणेश चौक, सिविल लाइन, मुड़वारा स्टेशन, मिशन चौक से माधवनगर गेट होते हुए पीरबाबा तक जाएंगे।

रूट क्रमांक-2 पर लाल रंग के ई-रिक्शा चलेंगे। ये रेलवे स्टेशन से सराय मोहल्ला, गणेश चौक, कचहरी चौक, कोतवाली तिराहा, मिशन चौक, आजाद चौक, कैलवारा मोड़ से होते हुए इंदिरा ज्योति कालोनी तक जाएंगे।

रूट क्रमांक-3 पर आसमानी रंग के ई-रिक्शा चलेंगे। ये रेलवे स्टेशन से बरही रोड, गर्ग चौराहा, आदर्श कालोनी, चड्ढा कॉलेज से होते हुए प्लेटफार्म क्रमांक 5 तक जाएंगे।

रूट क्रमांक-4 पर नारंगी रंग के ई-रिक्शा चलेंगे। ये रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 5 से गायत्री नगर, बाबा घाट, कटनी साउथ, डीजल लोको शेड से होते हुए एनकेजे बजरिया तक जाएंगे।

रूट क्रमांक-5 पर सफेद रंग के ई-रिक्शा चलेंगे। ये प्लेटफार्म क्रमांक 5 से जुहला-जुहली की ओर चलेंगे।

रूट क्रमांक-6 पर पीले रंग के ई-रिक्शा चलेंगे। ये कटनी साउथ से मिशन चौक, मुड़वारा स्टेशन, सिविल लाइन, व्हीआईपी रोड, रेलवे स्टेशन, आयुध निर्माणी, एसीसी होते हुए माधवनगर तक जाएंगे।

ग्राम की आवश्यकतानुसार कार्य करने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 5 हीरापुर कौड़िया में साध्वी जन कल्याण समिति कटनी के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की क्षमता वृद्धि हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ग्राम पंचायत भवन हीरापुर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत हीरापुर कोरिया की सरपंच श्रीमती पुनीता बाई पटेल, उप सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप कुमार बड़गैया,आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉक्टर तेज सिंह केशवाल और विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र की विशेष उपस्थिति रही।

प्रशिक्षण कार्यशाला के तृतीय सत्र में नवांकुर संस्था साध्वी जनकल्याण समिति अध्यक्ष साध्वी निगम द्वारा प्रस्फुटन समितियों के कार्यालय के रखरखाव ,कार्य प्रणाली एवं दस्तावेजी करण विषय पर जानकारी दी।चतुर्थ सत्र में जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केशवाल ने प्रस्फुटन समिति के उपस्थित प्रतिनिधियों को ग्राम में समन्वय बनाकर कार्य करने हेतु व शासन और समाज के बीच में सेतु के रूप में कार्य कर ग्राम में रचनात्मक वातावरण तैयार कर जन भागीदारी से ग्राम की आवश्यकता अनुसार कार्य करने संबंधी जानकारी देते हुए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले के द्वारा जीवन में रचनात्मक सोच रखते हुए तनाव मुक्त रहने के तरीकों के विषय पर जानकारी दी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समझाया की कैसे हमारी सोच का हमारे कार्य पर असर पड़ता है।

विद्यार्थियों में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देना था टूर का उद्देश्य

खिलाड़ी छात्र छात्राओं को ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थलों का कराया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बड़वारा

शासकीय महाविद्यालय बड़वारा में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग तथा स्पोर्ट्स क्लब के द्वारा महाविद्यालय के खिलाड़ी छात्र-छात्राओं का अकादमिक उत्कृष्टता कार्यक्रम अंतर्गत एडवेंचर टूर कराया गया। इसमें महाविद्यालय के सभी खिलाड़ियों एवं शारीरिक शिक्षा में अध्ययनरत 42 छात्र छात्राओं को जिले के रूपनाथ धाम, भूता डैम एवं अन्य ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया गया।

महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल ने बताया कि इस एडवेंचर टूर का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के बीच खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देना जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी खेलों में सहभागिता करने के लिए प्रेरित हों। साथ ही रोमांचक गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक व मानसिक चुनौतियों का सामना करना, प्रकृति से जुड़ना, जंगली और प्राकृतिक परिवेश में समय बिताना, स्थानीय वातावरण और परम्पराओं का प्रत्यक्ष अनुभव करना, कठिन परिस्थितियों में अपनी क्षमता को परखना और चुनौतियों को पार करके आत्मविश्वास बढ़ाना था। इसके अलावा छात्रों में ऐतिहासिक ज्ञान में वृद्धि करना एवं अकादमिक उत्कृष्टता के मूल्यों को प्राप्त करना था। भ्रमण के दौरान छात्रों को भोजन की पूर्ण व्यवस्था स्पोर्ट्स क्लब के द्वारा की गई।

भ्रमण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.के. सिंह, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल के साथ क्रीड़ा समिति की सदस्य डॉ. योगिता अरजरिया, श्रीमती तोषी पटेल एवं डॉ कल्पना सतनामी आदि भी दल में शामिल रहीं। निश्चित तौर पर महाविद्यालय के खिलाड़ी छात्रों ने बहुत ही उत्साहित होकर एडवेंचर गतिविधियां एवं ज्ञानार्जन किया। महाविद्यालय की स्थापना के बाद से खेल विभाग का यह पहला एडवेंचर टूर था। प्राचार्य ने छात्रों को खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के इस नवाचार की सराहना की। डॉ. गढ़ेवाल ने बताया की आगे भी इस तरह के एडवेंचर टूर कराये जाते रहेंगे।

कंट्रोल रूम में आयोजित जन सुनवाई में सुनी समस्यायें

नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को प्रत्यक्ष रूप से सुनने तथा उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित हुए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा प्रत्येक प्रकरण में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्यवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को स्पष्ट एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न एवं थानों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधिकारियों ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बात सुनी और निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार समयबद्ध निराकरण किया जाए।

'सहकारिता से समृद्धि' किसान सम्मेलन एवं कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

सहकारिता वर्ष 2025-26 के अंतर्गत वृहताकार कृषि साख सहकारी समिति मर्या. रीठी में 'सहकारिता से समृद्धि' किसान सम्मेलन एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र रीठी का उद्घाटन किया गया जिससे किसानों एवं ग्रामीणों को सस्ती और अच्छी दवाइयां सुलभ हो सकेंगी। कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित अधिकारियों, मुख्य अतिथियों एवं कृषकगणों द्वारा बिना सहकारी नहीं उद्धार, जय हिन्द, जय भारत, भारत माता की जय के नारे लगाये गये।

लाभ प्राप्त करने दी जानकारी

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं सहकारिता उद्योग समिति जिला पंचायत कटनी की सभापति कविता पंकज राय रहीं। उनके द्वारा किसान भाईयों और कार्यशाला में उपस्थित जन समूह का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष सहायक आयुक्त सहकारिता राजयशवर्धन कुरील द्वारा सहकारिता के बारे में किसान भाईयों एवं जन समूह को जागरूक किया गया। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पंकज राय द्वारा सहकारिता से किसान लाभ कैसे प्राप्त करें के विषय में बताया गया।

अंत में समिति प्रबंधक सुशील सोनी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथिगणों एवं जनसमूहों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन अंकेक्षण अधिकारी विजय मिश्रा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अनिल जैन, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कटनी जयती बिलथरैया, शाखा प्रबंधक अरविन्द पाठक, समिति प्रबंधक सुशील सोनी, विनोद दुबे, देवेन्द्र गर्ग, अरविन्द चनपुरिया, सहायक समिति प्रबंधक बल्लू पटेल, अंकेक्षण अधिकारी विजय मिश्रा, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक ज्योति सोनी, बेबी नैना मेहरा, सहकारिता विस्तार अधिकारी आयुष गुप्ता, पूजा विश्वकर्मा, नितिन जैन, दिव्यांश सोनी, अनिल राय, सतीश राय, आलोक राय, अमित दुबे, आलोक राय, सतीष राय, अंकित तिवारी, देवेन्द्र परौहा, उमाशंकर पटेल एवं समिति के समस्त विक्रेतागण एवं कृषकगण की उपस्थिति रही।

औचक निरीक्षण में कोताही मिलने पर होगी त्वरित कार्यवाही

आयुक्त ने चेताया, सफाई व्यवस्था में ढिलाई पर होगी कार्यवाही, प्रबंधन को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर अब निगम प्रशासन सख्त रुख अपनाते हुए पूरी व्यवस्था को मजबूत बनाने में जुट गया है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि सफाई व्यवस्था का पूरा सिस्टम मजबूत रखा जाए और घरों एवं दुकानों से निकलने वाले कचरे का कलेक्शन प्राइमरी पॉइंट पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कहीं भी कचरे का जमाव दिखाई न दे।

निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि नगर के प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। साथ ही शाम के समय नियमित रूप से कचरा संग्रहण वाहन भेजे जाएं, ताकि दुकानों से निकलने वाला कचरा तत्काल संग्रहित हो सके और सुबह के समय बाजार क्षेत्र स्वच्छ और व्यवस्थित दिखाई दें।

उन्होंने कहा कि वार्ड दरोगा यह सुनिश्चित करें कि कचरा वाहन समय पर पहुंचे और घरों व दुकानों से निकलने वाला गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में ही दिया जाए। साथ ही सार्वजनिक सड़कें और नालियां नियमित रूप से साफ रखी जाएं।

निगमायुक्त ने स्वच्छता जागरूकता टीम को निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर संपर्क कर नागरिकों को कचरे के पृथक्करण (सेग्रीगेशन) के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही सफाई नियमों का उल्लंघन करने वालों पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई भी लगातार जारी रखने के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि अब बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी वार्ड की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यदि सफाई कार्य में लापरवाही या ढिलाई पाई गई तो संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

बैठक के दौरान निगमायुक्त ने एमएसडब्ल्यू प्रबंधन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि किसी भी नागरिक को कचरा वाहन का इंतजार नहीं करना पड़े। यदि कचरा वाहन समय पर हर घर तक पहुंचेगा तो नागरिक सीधे वाहन में कचरा देंगे, जिससे सड़कों और नालियों में कचरा फैलने की समस्या भी खत्म होगी और निगम पर अतिरिक्त बोझ भी कम होगा। उन्होंने नोडल अधिकारी आदेश जैन को कचरा वाहनों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय संगोष्ठी में जल संरक्षण पर हुआ गहन मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

जल संरक्षण और भूजल के सतत उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चिंतन के लिए कटनी स्थित महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, ब्रह्मस्थान करौंदी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। "भूजल के सतत उपयोग के लिए जल प्रबंधन : वैदिक काल से आधुनिक युग तक की यात्रा" विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हाइड्रोजियोलॉजिस्ट्स (आईएएच) के भारतीय राष्ट्रीय अध्याय (आईएनसी–आईएएच) के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस संगोष्ठी में देशभर से आए जल वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने भाग लेकर जल संकट के समाधान पर अपने विचार रखे।

प्रमुख वक्ताओं ने जल संरक्षण की भारतीय परंपरा और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के समन्वय पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। ऐसे में जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता आवश्यक है।

ब्रह्मचारी गिरीश चंद्र वर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल को देवता का दर्जा दिया गया है और हमारे प्राचीन ग्रंथों में जल संरक्षण से जुड़े अनेक सिद्धांत वर्णित हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन वैदिक सिद्धांतों को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ा जाए तो जल संकट का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों और समाज के लोगों से भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज जल संकट वैश्विक समस्या बन चुका है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या, जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन और बदलते पर्यावरणीय हालात इसके प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि वैदिक ज्ञान परंपरा में प्रकृति और जल संसाधनों के संरक्षण की समृद्ध परंपरा रही है, जिसे आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अपनाकर हम इस चुनौती से निपट सकते हैं।संगोष्ठी में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. ए.डी. सावंत और प्रो. ए.के. सिन्हा ने कहा कि सतत विकास के लिए जल संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए वैज्ञानिक शोध, आधुनिक तकनीक और समाज की सक्रिय भागीदारी तीनों का समन्वय जरूरी है।

जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शुरू होंगे जल स्रोतों के संरक्षण के कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

कल 19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के दिन से "जल गंगा संवर्धन अभियान" 2026 के अंतर्गत जल संग्रहण संरचनाओं के कार्यों का आगाज प्रत्येक ग्राम पंचायत में जन प्रतिनिधियों और जन समुदाय की मौजूदगी में किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं शीतल पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु जिले की समस्त जनपद पंचायतों की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया जाए। जल स्रोतों एवं जल संरचनाओं की मरम्मत, साफ सफाई, गहरीकरण, जीर्णोद्धार एवं अन्य कराए जा सकने वाले कार्यों को चिन्हित कर सूचीबद्ध करते हुए अभियान के दौरान जन भागीदारी एवं विभाग के निर्देशों के मुताबिक कराए जाकर पूर्ण कराएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान का 19 मार्च को होगा आगाज

इस आशय के निर्देश जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 की आयोजन और क्रियान्वयन हेतु आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों को दिए। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 19 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून 2026 तक की अवधि में संचालित होगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत में जन समुदाय की उपस्थिति में जल संरक्षण व संवर्धन के एक कार्य को यथा संभव प्रारंभ किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, परियोजना अधिकारी मनरेगा ऋषिराज चढ़ार, स्वच्छ भारत मिशन के जिला प्रबंधक कमलेश सैनी, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक तेज सिंह केशवाल, मीडिया प्रभारी योगेंद्र कुमार असाटी, सहायक यंत्री , अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों ने सहभागिता की। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने जनपद स्तरीय अधिकारियों से जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन हेतु की जा रही तैयारी और क्रियान्वयन के संबंध में जनपद पंचायत वार कटनी, बहोरीबंद, बड़वारा, विजयराघवगढ़, ढीमरखेड़ा और रीठी से जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

गीता भवन का कलेक्टर और निगमायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

सुरक्षा, साफ-सफाई और सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए

जबलपुर। शहर के आध्यात्मिक एवं सामाजिक केंद्र गीता भवन की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आज कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संयुक्त रूप से परिसर और आसपास के क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने प्रवेश और निकास मार्ग की सुव्यवस्था सुनिश्चित करने, भीड़ प्रबंधन सुचारू रखने और आगंतुकों को किसी भी असुविधा से बचाने के निर्देश दिए। अधिकारियों को परिसर और ग्रीन रूम में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, प्रवेश मार्ग को सजाने और प्रकाशयुक्त बनाने का भी निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने कहा, “गीता भवन न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि शहर की गरिमा का प्रतीक भी है। यहाँ आने वाले हर नागरिक को सुरक्षित और सुखद अनुभव मिलना चाहिए।” निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गुड़ी पड़वा के साथ रौद्र नामक हिन्दू नववर्ष भी आरंभ होगा

शहर के देवी मंदिरों में रंग-रोगन और विद्युत सजावट का कार्य शुरू

शक्ति की भक्ति का पर्व चैत्र नवरात्र कल से

जबलपुर। शक्ति की भक्ति का पर्व चैत्र नवरात्र 19 मार्च से शुरू हो रहा है। शहर के देवी मंदिरों में घटस्थापना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन और आकर्षक विद्युत सजावट की जा रही है

शहर के सभी मंदिरों में अनुष्ठान और घटस्थापना की जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्र का शुभारंभ होता है। इस वर्ष नवरात्र का आरंभ एक विशेष खगोलीय संयोग के साथ हो रहा है। ज्योतिषाचार्य के मुताबिक चैत्र नवरात्र पर अमावस्या का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जो करीब 72 वर्षों बाद देखने को मिल रहा है। 19 मार्च को नवरात्र और गुड़ी पड़वा के साथ रौद्र नामक हिन्दू नवसंवत्सर का भी आरंभ होगा। इस नवसंवत्सर के राजा गुरु एवं मंत्री मंगल होंगे। इन सभी संयोगों को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसके चलते श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

कलश स्थापना का अभिजीत मुहूर्त दोपहर में

पंचांगों के अनुसार घटस्थापना के लिए सुबह 6.54 से 8.06 बजे तक का समय शुभ रहेगा। इसके अलावा दोपहर में 12.11 से 12.58 बजे तक श्रेष्ठ अभिजीत मुहूर्त में भी कलश स्थापना की जाएगी। नवरात्र में व्यवसाय की शुरुआत, खरीदारी, निवेश व महत्वपूर्ण कार्य करना लाभकारी और अत्यंत शुभ माना जाता है।

खास संयोग में होगी आराधना

19 मार्च को ही अमावस्या स्नान-दान और कलश स्थापना (घटस्थापना) होगी। 26 मार्च को अष्टमी और नवमी एक ही दिन मनाई जाएगी, जिससे नवरात्र 8 दिन के होंगे। नवरात्र के पहले ही दिन शुक्ल योग, ब्रह्म योग और सर्वार्थ सिद्धि योग जैसे शुभ संयोग बन रहे हैं। इन योगों में माता रानी की आराधना-पूजन विशेष फलदायी रहेगा।

होली मिलन में झलका रंग, उमंग और भक्ति का संगम

विंग्स लेडीज क्लब जबलपुर का उत्सव, महिलाओं ने फूलों और गुलाल से मनाई खास होली

जबलपुर। विंग्स लेडीज क्लब जबलपुर द्वारा आयोजित होली मिलन उत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संयोजिका ललिता शाक्य के सानिध्य में हुआ, जिसमें रचना शुक्ला, सोनल पटेल सहित सभी सदस्याओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर महिलाओं ने होली के पावन पर्व पर फूलों और गुलाल से एक-दूसरे के साथ रंगों का आनंद लिया तथा श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में वेशभूषा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें मीनाक्षी चंद्रा ने प्रथम, रंजना दुबे ने द्वितीय और संगीता गर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ सदस्य जशवीर चोपड़ा के आतिथ्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान सभी महिलाओं को श्रीहरि विष्णु की तस्वीर, श्रीफल एवं मोतीमाला भेंट कर सम्मानित किया गया।

आज निकलेगी भव्य प्रभात शोभायात्रा, झांकियों और बैंड के साथ होगा आयोजन

चेटीचंड पर ‘रन फॉर झूलेलाल’ मैराथन ने दिया एकता और स्वास्थ्य का संदेश

जबलपुर।

भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस चेटीचंड महोत्सव के अवसर पर ‘रन फॉर श्री झूलेलाल’ मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन सिंधु भवन से प्रारंभ होकर करमचंद चौक, नौदरा ब्रिज, तैयब अली चौक, घंटाघर होते हुए पुनः सिंधु भवन में समाप्त हुई। इस मैराथन में सिंधी समाज के हजारों महिला, पुरुष और युवाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, एकता और भक्ति का संदेश दिया। पूरे मार्ग में “आयो लाल झूलेलाल” के जयकारे गूंजते रहे। कार्यक्रम को स्वामी प्रदीप महाराज, विजय रोहाणी, मोतीलाल पारवानी, दिलीप तलरेजा, उद्धवदास पारवानी और राम आहूजा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मैराथन में सिमर वाधवानी, रमेश आहूजा, राजकुमार कंधारी, अशोक चादवानी, त्रिलोक वासवानी, लख्मीचंद खेमानी, गोविंद हीरानी, कैलाश वासवानी, प्रकाश आहूजा, विकास नोतनानी, मोटी रतलानी, दिलीप बुधरानी, भरत कुंदवानी, सनी कुंगानी, सोनू लालवानी, रितेश मोटवानी, सुधीर भागचंदनी और अजय सुखवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं आज विशाल प्रभात शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर गलगला, मुकदमगंज, तुलाराम चौक, करमचंद चौक, कॉफी हाउस रोड, बड़ी ओमती होते हुए घंटाघर स्थित सिंधु भवन में समाप्त होगी। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, बैंड और ढोल शामिल रहेंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

आयुध निर्माण कर्मियों की वर्षों से मांग लंबित

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करने मांग

जबलपुर। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ नॉन गजिस्ट्रेट ऑफिसर (एआईएएनजीओ) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर देशभर की 41 आयुध निर्माणियों में लंबित विभिन्न मांगों को लेकर सभी आयुध निर्माणियों ने मंगलवार को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को मामले में हस्तक्षेप करने के लिए अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया। मीडिया प्रभारी उत्तम विश्वास (जीसीएफ) ने बताया कि लंबित विभिन्न मांगों में डीपीसी के माध्यम से होने वाले चार्जमेन से जेडब्ल्यूएम प्रमोशन और एलडीसी की परीक्षा के माध्यम से चार्जमेन से जेडब्ल्यूएम और जेडब्ल्यूएम एसजी, एमसीएम से चार्ज मेन प्रमोशन के खाली पड़े पदों, एडब्ल्यू म प्रमोशन, खाली पड़े डी आर पद को डी पी सी में बदलने और अनुकंपा नियुक्ति, एस आर ओ अमेंडमेंट आदि मांगों को लेकर अनुरोध पत्र प्रेषित गया। तोप गाड़ी निर्माणी जबलपुर में भी अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया। एआईएएनजीओ के संगठन सचिव और जूनियर वर्क्स मैनेजर (जेसीएम) अजय रजक ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव अजय और राष्ट्रीय अध्यक्ष जयवर्धन के नेतृत्व में पिछले कई महीने से एआईएएनजीओ ने लगातार विभिन्न लंबित मांगों को लेकर डीओओ कोलकाता एवं संबंधित अथॉरिटी को कई बार पत्र लिख चुका है लेकिन कोई सार्थक करवाई नहीं हुई। इसलिए मंगलवार को प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मामले में हस्तक्षेप करने के लिए अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया।

इस अवसर पर जबलपुर जोन से ओएफकेकेडीसी पांडे, अजय यादव, सत्येंद्र सिंह, अजय चौहान, अजय पाल सिंह व्हीएफजे से रॉबिंसन मसीह नटराज अय्यर, जीआईएफ से मधुसूदन दहिया, सचिन सिंह ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कटनी से उमाशंकर सिंह, प्रकाश सिंह गौतम और ऑर्डनेंस फैक्ट्री इटारसी से योगेंद्र रघुवंशी, जीसीएफ के राजेंद्र कुमार असाटी, मनीष चौरसिया, राहुल कुमार, कुमार विभु, लालाराम मीणा, संतोष कुमार, जगदीश गुप्ता, शरद बोरकर, संजय शॉ, कुमार संजय पंकज रंजन, राजेंद्र रावत, हीरालाल मीणा, संदीप बाथो, मुकेश बट्टी अंजनी कुमार, धीरज सिन्हा, बिजेंद्र मिश्रा, शरद यादव, संजय शर्मा, दिनेश पाली, अजय साहू नरेश बाजपेई सदस्यों ने कार्रवाई की मांग की है।

ब्राह्मण प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों का जोश चरम पर

अतिथियों ने सराहा आयोजन, कहा युवाओं की प्रतिभा और एकता का सशक्त मंच

जबलपुर। ब्राह्मण प्रीमियर लीग के अंतर्गत 17 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रानीताल स्टेडियम स्थित वेलोड्रम ग्राउंड में किया जा रहा है, जिसमें शहर की 16 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में प्रतिदिन डे-नाइट मैच खेले जा रहे हैं और खिलाड़ियों के साथ दर्शकों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।पाँचवें दिन खेले गए मुकाबलों में मुख्य अतिथि आचार्य विजय तिवारी किसलय, विशिष्ट अतिथि राजेश पाठक प्रवीण और संतोष नेमा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने इस आयोजन को युवाओं की प्रतिभा निखारने और समाज में एकता बढ़ाने का अनूठा प्रयास बताया। छठवें दिन के पहले मैच में शिवान्या एकादश ने श्री राम एकादश को हराया, जिसमें ऊदल मैन ऑफ द मैच रहे। दूसरे मैच में शौर्य एकादश ने बालाजी एकादश को पराजित किया, जहां एस त्रिपाठी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। तीसरे मुकाबले में जय श्री राम दूत एकादश ने नर्मदा पल्टन धनवंतरी नगर को हराया, जिसमें मोहित शर्मा मैन ऑफ द मैच बने। कार्यक्रम के दौरान महेश स्थापक, जागेश्वर दुबे, रमाकांत गौतम सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सुविल तिवारी, सिद्धार्थ तिवारी, सतेंद्र पांडेय, अनुराग तिवारी और रितेश मिश्रा सहित सदस्यों का आयोजन में सराहनीय योगदान रहा।

यूनिसेफ प्रेजेंटेशन को लेकर स्काउट्स-गाइड्स की तैयारियां अंतिम चरण में

विधायक और नगर निगम अध्यक्ष से मिला मार्गदर्शन
जिले की उपलब्धियों को राज्य स्तर पर दिखाने की तैयारी

जबलपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला जबलपुर द्वारा यूनिसेफ के भोपाल स्थित राज्य मुख्यालय में प्रस्तावित प्रेजेंटेशन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस संबंध में संगठन के पदाधिकारियों ने अशोक रोहाणी एवं रिकुंज विज से भेंट कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान प्रेजेंटेशन की रूपरेखा, उद्देश्य तथा जिले में संचालित सामाजिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों—प्रोजेक्ट CLAP, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता, स्वच्छता अभियान और सतत जीवन शैली—की जानकारी साझा की गई। विधायक अशोक रोहाणी ने संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों और उनके प्रभाव को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने की सलाह दी। वहीं रिकुंज विज ने इसे जिले की उपलब्धियों को राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया।

यह प्रेजेंटेशन ललित कुमार मिश्रा, घनश्याम सोनी और अजय तिवारी के मार्गदर्शन में तैयार की जा रही है, जिसे डॉ. विजयकांत तिवारी द्वारा भोपाल में प्रस्तुत किया जाएगा। संगठन के सदस्यों ने उत्कृष्ट प्रस्तुति के माध्यम से जबलपुर जिले को राज्य स्तर पर नई पहचान दिलाने का संकल्प लिया।

आवेदकों को बगल में बिठाकर सुनी समस्याएं चाय-पानी के साथ कराया तत्काल समाधान

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने जनसुनवाई में दिया अपनेपन भरा संदेश

जबलपुर। नगर निगम की जनसुनवाई में राम प्रकाश अहिरवार ने संवेदनशीलता और सहभागिता की मिसाल पेश की। उन्होंने नागरिकों को अपनी बगल वाली कुर्सी पर बिठाकर उनकी समस्याएं सुनी और मौके पर समाधान सुनिश्चित किया। इस दौरान उन्हें 33 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अतिक्रमण, भवन, स्थापना, स्वास्थ्य, जल, सम्पदा, योजना, लेखा, सीवर लाइन एवं विभिन्न संभागों से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। अधिकांश शिकायतें संबंधित विभागों को प्रेषित की गई और कुछ का त्वरित समाधान राजस्व और स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया।आयुक्त ने अधिकारी और आवेदक के बीच पारंपरिक दूरी को समाप्त करते हुए बुजुर्गों और महिलाओं को सम्मान के साथ अपने पास बिठाया। उपस्थित लोगों को चाय और पानी भी दिया गया, जिससे नागरिकों ने अधिकारियों के प्रति भरोसा और अपनापन महसूस किया। इस अवसर पर निगमायुक्त ने कहा कि शिष्टाचार के साथ-साथ कार्य पर भी तुरंत फोकस होना चाहिए। उन्होंने सभी मामलों पर ऑन-दी-स्पॉट कार्रवाई सुनिश्चित की। जनसुनवाई में अरविंद शाह, विद्यानंद बाजपेई, वेद प्रकाश, अंकिता जैन, शिवांगी महाजन, अंकिता बर्मन, इंद्रकुमार वर्मा, दीपक शर्मा, अभिषेक तिवारी, दिग्दर्श, महेश शर्मा, सतीश मिश्रा, असद, प्रदीप और सभी विभागीय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रामकृष्ण चौकसे बने भारत विकास परिषद महाकोशल प्रांत के अध्यक्ष

जबलपुर। भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में महाकोशल प्रांत के लिए वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी घोषित की गई। इसमें रामकृष्ण चौकसे को अध्यक्ष, विनोद विल्बरे को महासचिव तथा राकेश शर्मा को वित्त सचिव नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों के चयन पर परिषद सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत विकास परिषद एक राष्ट्रीय संगठन है, जो समाज सेवा के साथ-साथ युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

जबलपुर एवं मदन महल स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक

डिजिटल भुगतान के लिए यात्रियों को किया प्रोत्साहित

जबलपुर।

जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर एवं मदन महल रेलवे स्टेशनों पर मंडल के स्काउट एवं गाइड्स के सदस्यों द्वारा आकर्षक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को रेलवन ऐप की उपयोगिता एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस जागरूकता अभियान के दौरान स्काउट एवं गाइड्स के सदस्यों ने स्टेशन परिसर में यात्रियों को रेलवन ऐप डाउनलोड करने, इसका उपयोग करने तथा डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग करने के लाभों के बारे में विस्तार से बताया। रेलवे द्वारा यात्रियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट खरीदने पर 3 प्रतिशत तक की छूट की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। यह व्यवस्था प्रायोगिक आधार पर 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक लागू की गई है।

पूर्व में रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुक करते समय केवल आर-वॉलेट से भुगतान करने पर ही 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक मिलता था, लेकिन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब यह लाभ सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों पर उपलब्ध कर दिया गया है।

जबलपुर रेल मंडल द्वारा चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्काउट एवं गाइड्स के सदस्य यात्रियों को ऐप डाउनलोड करने, लॉगिन करने तथा टिकट बुकिंग की प्रक्रिया को भी सरल तरीके से समझा रहे हैं। यात्रियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे आधुनिक और उपयोगी व्यवस्था बताया।

इसके अतिरिक्त जबलपुर रेल मंडल द्वारा रेलवन ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए स्टेशनों पर स्टिकर एवं प्रचार सामग्री लगाई जा रही है, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट एवं पोस्ट के माध्यम से भी यात्रियों को जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा स्थानीय प्रिंट मीडिया एवं डिजिटल मीडिया के माध्यम से भी रेलवन ऐप की जानकारी एवं डिजिटल भुगतान पर मिलने वाली 3 प्रतिशत छूट की सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

पमरे में कैशलेस ट्रांजेक्शन से 10 करोड़ राजस्व अर्जित

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में पीआरएस एवं यूटीएस काउंटर्स पर यूपीआई/भीम, मोबाइल टिकटिंग तथा पीओएस मशीनों के माध्यम से कैशलेस भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। चालू वित्तीय वर्ष के फरवरी माह में पश्चिम मध्य रेल ने पीआरएस एवं यूटीएस के माध्यम से कुल 8 करोड़ 73 लाख 727 यात्रियों से 10 करोड़ 88 लाख 81 हजार 953 रुपए का कैशलेस ट्रांजेक्शन कर रेलवे राजस्व अर्जित किया।

मार्कशीट गुमी

मैं पावनी श्रीवास्तव पिता श्री संजय श्रीवास्तव 1857/1 शक्तिनगर की निवासी हूँ। मैं दसवीं की मूल अंकसूची की फोटो कॉपी करवाने हेतु कपूर स्टेशनरी, शक्तिनगर में जा रही थी परन्तु रास्ते में ही गुम हो गई है। मैंने बहुत खोजने का प्रयास किया लेकिन आज दिनांक तक मूल अंकसूची नहीं मिली है। मुझे आगे की पढ़ाई एवं नौकरी हेतु कक्षा दसवीं के मूल अंकसूची की अति आवश्यकता है। जिस किसी सज्जन को मिलें तो कृपया निम्न मोबाइल नं. पर सूचना देने का कष्ट करें। गृह थाना में इसके गुम हो जाने की सूचना दे दी गई है।

नोट-मार्कशीट गुमने की तारीख 02.03.2026, समय- दोपहर 12 बजे, रोल नं. 19162317, स्कूल- सेंट जोसेफ कॉन्वेंट गर्ल्स स्कूल, जबलपुर।

नाम- पावनी श्रीवास्तव,
पता-1857/1 कोलमाइन्स ऑफिस के सामने, शक्तिनगर, जबलपुर
मो.9424704913